



Preetum

01 Sep 1968

03:14 PM

Jaipur

Model: Lal-Kitab-Report

Order No: 121054301

## लाल किताब

बिमारी का बगैर दवाई भी इलाज है, मगर मौत का कोई इलाज नहीं।  
ज्योतिष दुनियाबी हिसाब-किताब है, कोई दावाए खुदाई नहीं।

Model: Lal-Kitab-Report

Order No: 121054301

Date: 26/01/2026

लिंग _____:	पुल्लिंग	दादा का नाम _____:	
जन्म तिथि _____:	01/09/1968	पिता का नाम _____:	
दिन _____:	रविवार	माता का नाम _____:	
जन्म समय _____:	15:14:35 घंटे	जाति _____:	
इष्ट _____:	22:51:20 घटी	गोत्र _____:	
स्थान _____:	Jaipur	चैत्रादि संवत / शक _____:	2025 / 1890
राज्य _____:	Rajasthan	मास _____:	भाद्रपद
देश _____:	India	पक्ष _____:	शुक्ल
अक्षांश _____:	26:53:00 उत्तर	सूर्योदय कालीन तिथि _____:	9
रेखांश _____:	75:50:00 पूर्व	तिथि समाप्ति काल _____:	13:41:45
मध्य रेखांश _____:	82:30:00 पूर्व	जन्म तिथि _____:	10
स्थानिक संस्कार _____:	-00:26:40 घंटे	सूर्योदय कालीन नक्षत्र _____:	ज्येष्ठा
ग्रीष्म संस्कार _____:	00:00:00 घंटे	नक्षत्र समाप्ति काल _____:	07:44:37 घंटे
स्थानिक समय _____:	14:47:55 घंटे	जन्म नक्षत्र _____:	मूल
वेलान्तर _____:	00:00:00 घंटे	सूर्योदय कालीन योग _____:	प्रीति
साम्पातिक काल _____:	13:30:24 घंटे	योग समाप्ति काल _____:	25:44:59 घंटे
सूर्योदय _____:	06:06:02 घंटे	जन्म योग _____:	प्रीति
सूर्यास्त _____:	18:46:48 घंटे	सूर्योदय कालीन करण _____:	कौलव
दिनमान _____:	12:40:46 घंटे	करण समाप्ति काल _____:	13:41:45 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____:	दक्षिणायन	जन्म करण _____:	तैतिल
सूर्य स्थिति(गोल) _____:	उत्तर	भयात _____:	18:44:54
ऋतु _____:	शरद	भभोग _____:	56:20:15
सूर्य के अंश _____:	15:35:12 सिंह	भोग्य दशा काल _____:	केतु 4 वर्ष 8 मा 0 दि
लग्न के अंश _____:	15:51:35 धनु		

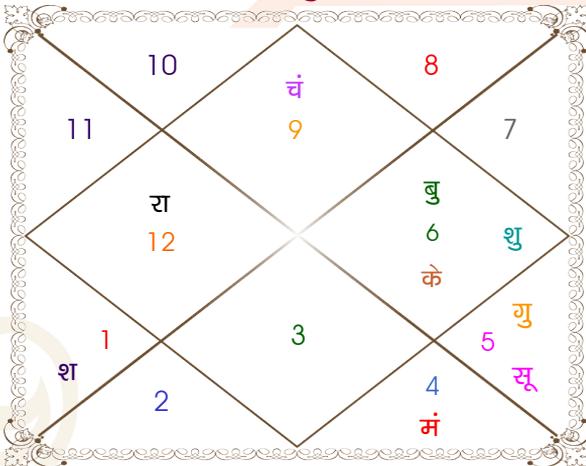
## ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	राशि	अंश	स्थिति	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
लग्न	धनु	15:51:35	---	--	--	--	नेक
सूर्य	सिंह	15:35:12	मूलत्रिकोण	--	--	--	नेक
चन्द्र	धनु	04:26:25	सम राशि	--	हाँ	--	नेक
मंगल	कर्क	23:42:20	नीच राशि	--	हाँ	--	मन्दा
बुध	कन्या	06:07:39	उच्च राशि	--	--	--	मन्दा
गुरु	सिंह	21:19:11	मित्र राशि	--	--	--	नेक
शुक्र	कन्या	05:30:34	नीच राशि	--	--	--	मन्दा
शनि	व मेष	01:35:20	नीच राशि	--	--	--	मन्दा
राहु	व मीन	16:36:32	सम राशि	--	--	हाँ	नेक
केतु	व कन्या	16:36:32	शत्रु राशि	--	--	--	मन्दा

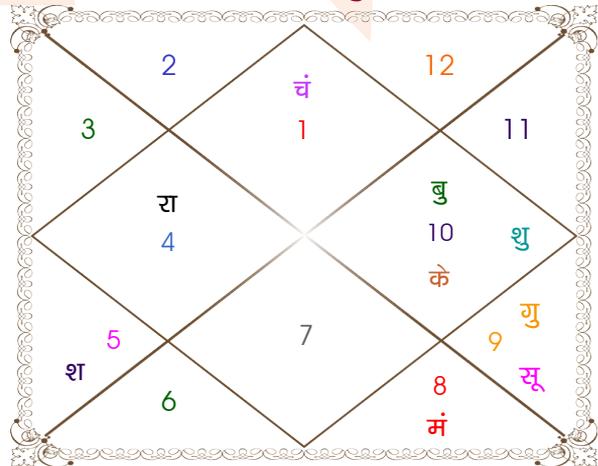
### भाव स्थिति

खाना नं.	मालिक	पक्का घर	किस्मत जगानेवाला	सोया	उच्च	नीच
1	मंगल	सूर्य	मंगल	--	सूर्य	शनि
2	शुक्र	गुरु	चंद्र	--	चंद्र	--
3	बुध	मंगल	बुध	हाँ	राहु	केतु
4	चंद्र	चंद्र	चंद्र	--	गुरु	मंगल
5	सूर्य	गुरु	सूर्य	--	--	--
6	बुध	बुध,केतु	केतु	हाँ	बुध,राहु	शुक्र,केतु
7	शुक्र	शुक्र,बुध	शुक्र	--	शनि	सूर्य
8	मंगल	मंगल,शनि	चंद्र	--	--	चंद्र
9	गुरु	गुरु	शनि	--	केतु	राहु
10	शनि	शनि	शनि	--	मंगल	गुरु
11	शनि	शनि	गुरु	हाँ	--	--
12	गुरु	गुरु,राहु	राहु	--	शुक्र,केतु	बुध,राहु

### लग्न कुंडली



### लालकिताब कुंडली



## लाल किताब ग्रह फल

### सूर्य

आपकी जन्मकुंडली में नौवें खाने में सूर्य है। इसकी वजह से आप भाग्यवान होंगे। आपको उत्तम वाहन सुख मिलेगा। बड़े परिवार से युक्त रहेंगे। आप परोपकारी होंगे। आप अपनी सात पुशुतों को तारने वाले होंगे। आप अपने खानदान के लिए पूरा जीवन न्यौछावर कर देंगे। 22वें वर्ष में आपके जीवन पर अच्छा प्रभाव पड़ेगा। माता-पिता की कृपा से राजदरबार में इज्जत मिलेगी। तीर्थ यात्रा करने से आपके जीवन पर अच्छा असर पड़ेगा। आपके परंपरागत काम या सरकारी ठेकेदारी के धंधे से लाभ होगा। आपको माता-पिता का अच्छा सुख मिलेगा। आपकी बचपन में परवरिश खानदानी ढंग तथा सुख साधन से होगी। आप खानदान के लिए त्याग करेंगे और आप परोपकारी होंगे। आप पोते-पड़पोते के जन्म की खुशियां देखेंगे। पैसे की तंगी नहीं रहेगी। आप दूसरों की बीमारी दूर करने में मदद करेंगे। आपके पिता को सरकार पक्ष से लाभ होगा। बहुत बड़े परिवार को पालने का जिम्मा आप पर हो सकता है। धार्मिक कार्यों से तरक्की और कीर्ति मिलेगी। स्वपराक्रम से अपनी किस्मत का सितारा चमकायेंगे। सरकारी विभाग में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा, राजा या राजा तुल्य जीवन होगा, नौकरी-व्यापार में लाभ होगा।

यदि आपकी रसोई में उल्टे या बहुत समय से पुराने खाली बर्तन पड़े रहे, मकान का मुख्य दरवाजा पश्चिम दिशा में हुआ, भाई-बहन से झगड़ा किया तो आपका सूर्य मंदा हो सकता है या किसी कारण वश सूर्य मंदा हो गया हो तो सूर्य के मंदे असर से स्वभाव अति उग्र या अति नम्र स्वभाव रहने से सर्वस्व खोना पड़ सकता है। गिफ्ट/मुफ्त का माल या दान खाने से हर तरफ हानि होगी, यात्रा में कष्ट होगा, बहन-भाई द्वारा विरोध और किस्मत का बुरा असर शुरु हो जायेगा। कई बार आपको नेकी का बदला बुराई में मिल सकता है और जिसके साथ आप संबंध रखेंगे उसी की हानि होगी।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. मुफ्त या दान के माल से दूर रहें।
2. बहुत नर्म या बहुत गर्म स्वभाव न रखें।

उपाय :

1. पीतल के बर्तनों का प्रयोग करें।
2. सूर्य ग्रहण के समय 4 सूखे नारियल जल में प्रवाहित करें।

### चन्द्र

आपकी जन्मकुंडली के पहले खाने में चंद्रमा है। इसकी वजह से आपका जन्म आपके माता-पिता की तपस्या के बाद हुआ होगा या भगवान की मिन्नतें-मन्नतें मांग कर या

आपके जन्म से पहले कई बहनों का जन्म हुआ होगा। आप सबको वशीभूत कर लेते हैं। आप शांत स्वभाव के सुंदर और सफेद कपड़े पहनने के शौकीन हैं। आप विभिन्न भाषाओं के विद्वान होंगे। आपको पैतृक मकान का सुख मिलेगा। आपको जीवन भर संपत्ति की कमी महसूस नहीं होगी। 28 वर्ष की उम्र में विवाह हो तो जीवन भर सुख मिलेगा। पराई अमानत पास रह जायेगी जिससे अमीर हो जाएंगे। जब तक माता जीवित रहेंगी धन-दौलत का अभाव नहीं रहेगा। लंबी उम्र के मालिक होंगे। राजदरबार में सम्मान मिलेगा। आपके जन्म के बाद पिता की माली-हालत अच्छी होगी। लम्बी आयु, कारोबार तथा धन लाभ के लिए शुभ होगा। बुढ़ापा उत्तम रहेगा। 24 या 27 साल की उम्र में अगर सफर करें तो सफर से वापस घर आकर मां का आशीर्वाद लेने से माता की आयु बढ़ेगी। 24 वर्ष आयु से पहले मकान न बनावें।

यदि आपने 24 वर्ष आयु से पहले मकान बनाया होगा, 28 वर्ष आयु में विवाह किया हो, आपने नौकरानी से झगड़ा या गाय को कष्ट दिया तो आपका चंद्रमा मंदा हो सकता है या किसी कारण वश चंद्रमा मंदा हो गया हो तो चंद्रमा के मंदे असर से पानी में डूबने का भय, मानसिक रोग, पुत्र सुख का अभाव, अति चिन्ता रहना, शारीरिक कमजोरी, आंख की पुतली खराब होना, घर में बाग-बगीचा हो तो उजड़ा सा रहेगा, आपको दिल की बिमारियां हो सकती हैं।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. चाल-चलन ठीक रखें।
2. माता या बूढ़ी स्त्री से झगड़ा न करें।

उपाय :

1. चांदी के गिलास में दूध-पानी आदि पियें।
2. बट के वृक्ष को कभी-कभी पानी डालें।

### मंगल

आपकी जन्मकुंडली में मंगल आठवें खाने में पड़ा है। इसकी वजह से लाल किताब के अनुसार आठवें खाने में मंगल हो तो व्यक्ति मंगलीक होता है। आप मांगलिक पुरुष हैं। आपको माता-पिता का पूरा सहारा मिलेगा। आपको गृहस्थी का पूरा सुख मिलेगा। आपका हौसला बुलंद रहेगा। आप लौह पुरुष होंगे। आप नतीजा सोचे-समझे बिना, हिम्मत के साथ कष्टों का मुकाबला करेंगे। आप अपने काम-काज में मन लगा कर काम करने के आदी होंगे। आप इंसानों के लिए लड़ने को तैयार रहेंगे। आपके जीवन की रक्षा होती रहेगी। आप जीवन में बाधाओं को हंस कर सह लेंगे। ससुराल से संपत्ति का लाभ होगा। शत्रुओं पर जीत हासिल करेंगे या शत्रु भय से सामने न आयेगा।

यदि आपने विधवा स्त्री के साथ झगड़ा करके उसकी बददुआ ली, घर में जमीन के अंदर रहने वाली तंदूर-भट्टी हुई, लोगों से बिना कारण झगड़ा-फसाद किया, चाकू-छुरी हर

समय अपने पास रखी तो आपका मंगल मंदा हो सकता है या किसी कारणवश मंगल मंदा हो गया हो तो मंगल के मंदे असर से आपके छोटे भाई के लिए बेहद बुरा एवं भाई के कारण, लड़ाई-झगड़े होंगे। आपका भाई आपका बेड़ा गर्क कर सकता है। अचानक दुर्घटना से रक्त विकार हो सकता है या नाखून के दोष की आशंका है। किसी आदमी पर बेवजह गुस्सा करना, पछतावा का कारण बन सकता है। आप गुस्सा करके नुकसान भी उठा सकते हैं। आप पर कोई आक्रमण हो इस बात की आशंका है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. घर के अंदर जमीन में तंदूर/भट्ठी न रखें।
2. तोता या मैना न पालें।

उपाय :

1. विधवा स्त्री का आर्शीवाद लें।
2. तंदूर में मीठी रोटी लगा कर कुत्तों को खिलावें।

### बुध

आपकी जन्मकुंडली में बुध दसवें खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आप अपने विभाग में अधिकारी के प्रिय रहेंगे। आप व्यवहार कुशल, ठीक से जीवन निर्वाह करने वाले होंगे। आप खुशामदी और नीतिशास्त्र में निपुण होंगे। आप लेखक-संपादक, अनेक विद्याओं के जानने वाले हो सकते हैं। ठेकेदारी के काम से धन कमाने वाले होंगे। आप पूरा धन कमाने वाले हैं। आप अव्वल दर्जे के खुशामदी होंगे। आप अपनी चिकनी चुपड़ी बातों से स्वार्थ सिद्ध करेंगे। आप समुद्री यात्रा या विदेश की यात्रा अवश्य करेंगे। आप शरारती और मतलब परस्त होंगे। परंतु दूसरों के हां में हां मिलाने या खुशामद करने में माहिर होंगे। आप मीठी-मीठी बातें करके सबको मोहित कर लिया करेंगे। व्यापार करने से घर के लोगों को भी बरकत होगी। आप हुनरमंद और बेशर्म स्वभाव के हैं। 50 वर्ष की उम्र के बाद आपका अच्छा जीवन बीतेगा और आर्थिक स्थिति में सुधार हो जाएगा।

यदि आपने मादक चीजों-द्रव्यों का प्रयोग किया, हरे रंग की बोतल में विदेशी शराब या परफ्यूम अपने घर में रखा, मछली का शिकार किया तो आपका बुध मंदा हो सकता है या किसी कारण वश बुध मंदा हो गया हो तो बुध के मंदे असर से शराब-पीना और मांस खाना आपके लिए नुकसानदेह है। आपको अपनी नजर में दोष उत्पन्न हो सकता है। आप दूसरों के लिए बेवकूफ दोस्त के समान होंगे। आपकी दूसरों के साथ चालबाजी की आदत रहेगी। 48 वर्ष की आयु तक पिता के सुख में अभाव हो सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. चौड़े पत्तों का वृक्ष, तुलसी-मनीप्लांट न लगावें।
2. शराब-मछली का सेवन न करें।
3. मछली का शिकार न करें या मछली न पकड़ें।

उपाय :

1. मजदूर पेशा व्यक्ति की सेवा करें।
2. मछलियों को भोजन का हिस्सा खिलायें।

## गुरु

आपकी जन्मकुंडली में वृहस्पति नौवें खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आप धनी होंगे अर्थात् बड़े भाग्यशाली होंगे। आप अपने धर्म पर अडिग और वचन के पक्के होंगे परंतु आपके जीवन में कभी भी धन की कमी महसूस नहीं होगी। आपको जौहरी या सर्राफी के काम करने से बहुत लाभ होगा। आपके घर की प्रतिष्ठा बनी रहेगी। आप तीर्थ स्थान की यात्रा के शौकीन होंगे। आप धर्मात्मा, ज्योतिषी, वैद्य, सिद्ध पुरुष होंगे। आप अपने पूर्वजों के माध्यम से प्रगति के पथ पर अग्रसर होंगे। भाग्य का श्रेष्ठ प्रभाव आपके ऊपर पड़ेगा यानि 36 वर्ष की उम्र में धन की प्राप्ति होगी। आप अच्छे, सम्मानित एवं अमीर खानदान में जन्म लेंगे। आप अपनी मेहनत से भी धन कमाएंगे। आपकी आदतें राजाओं जैसी होंगी। आप आध्यात्मिक तौर पर योगी स्वभाव के होंगे। आपकी सेहत अच्छी रहेगी। आपकी आयु के साढ़े सोलह वर्ष, 19, 33, 49 विशेष और धन प्राप्त करने वाले होंगे। आप तमाम दुनिया से लड़ कर अपनी किस्मत बना लेंगे अर्थात् आप स्वयं अपने भाग्य के निर्माता होंगे। आपकी आर्थिक स्थिति को शुभ करने के लिए भाग्य पूरा साथ देगा। आपके गृहस्थ जीवन में सुख बढ़ेंगे। इसका शुभ असर पूरे परिवार पर अच्छा रहेगा।

यदि आपने धर्म छोड़ दिया या धर्म विरोधी कार्य किये, पिता से झगड़ा या विरोध किया, किया हुआ वायदा पूरा न किया तो आपका वृहस्पति मंदा हो सकता है या किसी कारण वश वृहस्पति मंदा हो गया हो तो वृहस्पति के मंदे असर से आपके जीवन में बुरा समय आए उससे पहले आप दुनिया से कूच कर जाएंगे। आप अपनी औलाद से कई बार दुःखी होंगे। आपको दिल की बीमारी की आशंका है। आपका सोना गिर जाये, चोरी हो, लूटा जाये, गिरवी पड़े या बिक जाएगा, यह बहुत अशुभ लक्षण है। आलस्य करने से आपके महत्वपूर्ण कार्य अधूरे रह जाएंगे।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट हैं तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. दिया हुआ वचन पूरा करें।
2. सोना गिरवी न रखें, गुम होने से बचायें।

उपाय :

1. गंगा स्नान करें (हर महीने में एक बार 9 महीने लगातार)।
2. धर्म की पालना करें।

### शुक्र

आपकी जन्मकुंडली के दसवें खाने में शुक्र पड़ा है। इसकी वजह से आप लोभी, शक्की दस्तकारी के कामों में रुचि लेंगे। आप शक्ति संपन्न होंगे। आप कामुक होंगे। आप कामवासना के अधीन रहेंगे। आपकी सेहत अच्छी रहेगी। आप बाग-बगीचों के मालिक होंगे। आप अपने जीवन में दुर्घटना के शिकार नहीं होंगे। आपको अच्छा धन प्राप्त होगा। बुढ़ापा आराम से बीतेगा। आपका स्वास्थ्य ठीक रहेगा। आपकी जवानी प्रेम संबंधों में उलझी रहेगी। आपकी चालाकी, शैतानी और होशियारी की अधिकता से अधिक लाभ, आंशिक क्षति भी हो सकती है। आपकी पत्नी का स्वास्थ्य लगभग ठीक रहेगा। पत्नी के साथ रहते आपके साथ कभी भी कोई हादसा नहीं होगा।

यदि आपने शराब, बीयर आदि पीना और मांस खाना शुरू किया, मछली का शिकार किया, स्त्री पर अधिक विश्वास किया तो आपका शुक्र मंदा हो सकता है या किसी कारण वश शुक्र मंदा हो गया हो तो शुक्र के मंदे असर से आपको पत्नी से दब कर रहना होगा। पराई स्त्री से संबंध रहने से संतान को दुःख पहुंचेगा। संतान सुख के लिए जीवन में बाधा आ सकती है। विवाह के 13 वर्ष बाद पत्नी बीमार हो सकती है या पत्नी अस्वस्थ रहेगी जिसके कारण आपको दुःख भी झेलने पड़ सकते हैं। आपको पेशाब की बीमारी हो सकती है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. शराब-मछली का सेवन न करें।
2. आधिक मिजाज न बनें।

उपाय :

1. कपिला गाय का दान करें।
2. पत्नी शरीर पर दूध-दही मल कर स्नान करें।

### शनि

आपकी जन्मकुंडली में शनि पांचवें खाने में पड़ा है। जिसकी वजह से मकान बनवाना संतान के लिए हानिकारक है। यदि मकान बन जाए तो 48 वर्ष तक आपको संतान सुख नहीं होगा या संतान से संबंधित मुसीबत हो सकती है। आपकी संतान मकान बनाये तो लाभ रहेगा। आपका स्वभाव धर्म देवता के समान है और स्वभाव भोले बादशाह के जैसा होगा अर्थात् आप दिखने में भोले-भाले होंगे लेकिन काम करने में चतुर होंगे। आपकी आर्थिक हालात सुधरेगी। अभिमान और अक्ल की बारीकी से अपनी जिंदगी को कामयाब बनाएं। आपकी किस्मत अच्छी होगी। आप अपनी मर्जी के मालिक होंगे। आप काम-काज बड़ी सफाई

से करेंगे। आपकी प्रबंध व्यवस्था अच्छी होगी। अधिक संतान सुख की संभावना कम है। आप राजकीय सेवा में हैं तो आपको राज्य पक्ष से लाभ होगा। आप तकनीकी कामों से संबद्ध रहेंगे इसलिए आपकी पूछ हर जगह होगी। आपकी तरक्की भी होगी। कोई जमीन से या आकस्मिक धन प्राप्ति के भी योग बनेंगे।

यदि आपने 48 वर्ष से पहले मकान बनाया, भाई-बंधुओं आदि से चोरी-ठगी की, आपके शरीर पर अधिक बाल हुए मांस-मदिरा का सेवन किया तो आपका शनि मंदा हो सकता है या किसी कारण वश शनि मंदा हो गया हो तो शनि के मंदे असर से पेट में खराबी, विद्या में रुकावट, शराब-मछली का सेवन करने से खानदान नष्ट हो जाने का भय होता है। आपको सांप से डंक का भय है। आपकी आर्थिक हालत पर बुरा असर पड़ सकता है। 48 वर्ष की आयु तक पुत्र या मकान दोनों में से एक का सुख मिलेगा। विवाह एक से अधिक होने पर भी संतान सुख नहीं मिलेगा या बच्चा गोद लेना पड़ सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. शराब-मांस-मछली का सेवन न करें।
2. 48 वर्ष आयु से पहले मकान न बनावें।

उपाय :

1. सोना-केसर पास रखें।
2. सांप को दूध पिलावें।

## राहु

आपकी जन्मकुंडली में राहु चौथे खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आप सर्वगुण संपन्न, धनवान, और आयुवान होंगे। आप तीर्थ यात्रा करेंगे। आप एक सज्जन पुरुष होंगे तथा अपना जीवन सुख से बितायेंगे। आप अपार धन-संपत्ति के मालिक बनेंगे। आपको अपने सगे संबंधियों से भी धन-दौलत प्राप्त होगी। आप दूसरों की भलाई करेंगे आप भले लोगों की गिनती में गिने जाएंगे। आप धर्मात्मा, वाहन सुख से युक्त होंगे। आप अपनी बहन और पुत्री पर धन खर्च करेंगे। आपको ससुराल से भी धनागम होता रहेगा। आपको सरकार पक्ष से पूरा लाभ होगा तथा अपने बुजुर्गों का घर भर देंगे। ससुराल में भी धन की वृद्धि होगी। आप के पास 24 वर्ष की उम्र के बाद धन एकत्र होगा, गरीबी दूर हो जाएगी और धन की वर्षा होगी। आपके पिता और आपके पुत्र पर अच्छा असर पड़ेगा परंतु माता के लिए अशुभ होगा। आपके पास भूमि, भवन, वाहन सभी प्रकार के सुख-संसाधन उपलब्ध होंगे। यदि आप सरकारी महकमे में कार्यरत होंगे तो सरकारी महकमे में बड़े अफसर होकर अच्छा ओहदा प्राप्त करेंगे। आप जन्म भर सुखी रहेंगे। बंदूक-पिस्तौल आदि रखने का शौक होगा।

यदि आपने पाखाने की जगह बदली, घर की छत पर लकड़ी के कोयले रखे, सीढ़ियों के नीचे रसोई बनाई, माता की आयु की स्त्रियों से संबंध रखे तो आपका राहु मंदा हो

सकता है या किसी कारण वश राहु मंदा हो गया हो तो राहु के मंदे असर से आपके जीवन का 34वां वर्ष कष्टकारी होगा। माता को कष्ट की आशंका है। आप माता का विरोध करेंगे। ससुराल, ननिहाल के लिये अशुभ रहेगा, राजदरबार में हानि, दो विवाह योग या पत्नी के साथ रखैल रखें, ऐसी शंका है। रखैल पर धन बर्बाद करके अपना जीवन नष्ट कर लेंगे। आपको वाहन दुर्घटना का भय रहेगा। दिन में स्वप्न देखने वाले होंगे।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. माता की आयु की स्त्री से अवैध संबंध स्थापित न करें।
2. गंगा नदी में स्नान न करें।

उपाय :

1. घर पर गंगा जल से स्नान करें।
2. सूखा धनिया जल प्रवाह करें।

## केतु

आपकी जन्मकुंडली में केतु दसवें खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आप धनवान, नौकर-चाकरों से युक्त, उत्तम सुख से परिपूर्ण तथा अपने पथ पर अग्रसर रहने वाले होंगे। आप इतने अच्छे मुकद्दर के हैं कि आप मिट्टी छुएं तो सोना हो जाता है। 24 वर्ष की उम्र के बाद संतान प्राप्ति योग होगा। आपको कन्या संतान से सुख और पुत्र संतान से मध्यम सुख संभव है। आपको पुत्र का सुख प्राप्त होने की आशा है। आप खेल जगत में विश्व प्रसिद्ध बन कर ख्याति प्राप्त कर सकते हैं। आपके धन में बढ़ोत्तरी होगी। निर्धनता कभी भी नहीं आएगी। आप शक्की स्वभाव के हैं। आपके जीवन में 48 वर्ष आयु तक समय तो मिला-जुला फल देगा। इसके बाद का समय बहुत ही शुभ और सुखकारक सिद्ध होगा। आपकी आर्थिक स्थिति पर कोई विशेष बुरा प्रभाव नहीं पड़ेगा। कुल मिला-जुला कर आपका जीवन सुखमय ही रहेगा।

यदि आपने अपने भाई से झगड़ा किया, पर स्त्रियों से अनैतिक संबंध रखें तो आपका केतु मंदा हो सकता है या किसी कारण वश केतु मंदा हो गया हो तो केतु के मंदे असर से आपका चाल-चलन ढीला हो तो पुत्रियां अधिक होने, नपुंसक होने की संभावना रहती है। निःसंतान या संतान गोद लेने का योग होता है और जिससे आपको बहुत ही पीड़ा भोगनी पड़ सकती है। आपके भाई आपको गढ़े में धकेल सकते हैं या आपके धन का दुरुपयोग करेंगे। पराई औरत से संबंध आपके दांपत्य सुख में बाधा पहुंचा सकते हैं। आपके जीवन के लिए घातक और मौत का कारण सिद्ध हो सकता है। 48 वर्ष के लगभग पुत्र सुख मिलेगा या माता की आंखें खराब होने पर या माता की मौत के बाद पुत्र जन्म हो ऐसी संभावना है। धन का अपव्यय या अवनति होगी।

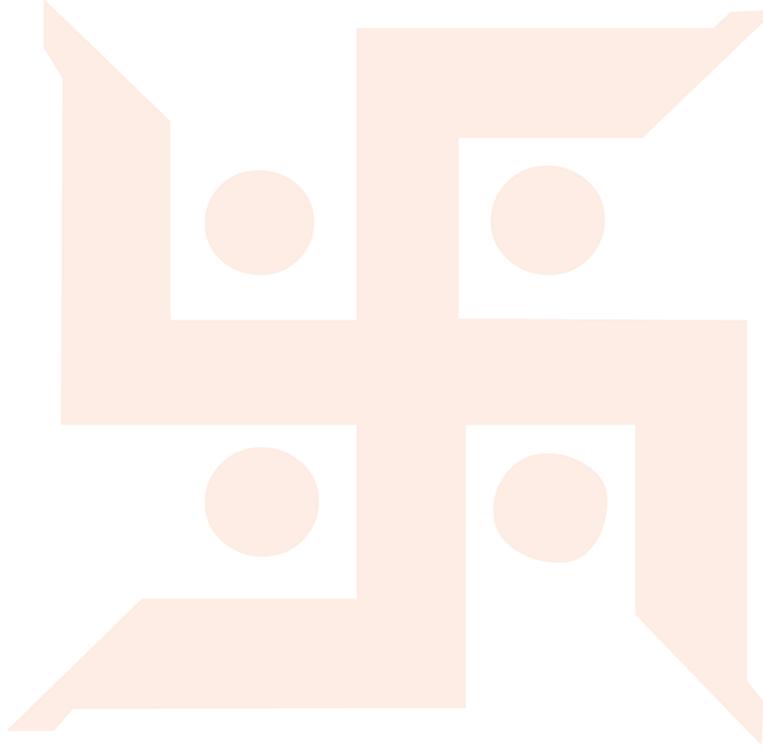
यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. चाल-चलन ठीक रखें।
2. कुत्तों से नफरत न करें।

उपाय :

1. मकान की नींव में चांदी के बर्तन में शहद भर कर रखें।
2. घर में चांदी के बर्तन में शहद भर कर रखें।



## लाल किताब के अनुसार ऋण भार

कुँडली में दूषित ग्रहों के कारण जातक कई प्रकार से ऋणी होता है अर्थात् कई प्रकार के ऋण भार जातक के ऊपर रहते हैं, जिसके कारण जातक के जीवन का विकास अवरुद्ध हो जाता है। क्योंकि दूषित ग्रहों के दोषयुक्त प्रभाव से शुभ ग्रह भी अनुकूल फल देना बंद कर देते हैं। अस्तु ऋण भार से जातक को मुक्त होना चाहिए ताकि शेष जीवन पर शुभ या अच्छे ग्रहों के अच्छे प्रभाव पड़कर कुँडली के अनुसार शुभता प्राप्त हो सके। नीचे ऋण के प्रकार किस परिस्थिति में जातक पर अदृश्य ऋण पर पड़ता है तथा उसके निराकरण उद्धृत किए जाते हैं।

### स्वऋण

ग्रहचाल :

जब जन्मकुँडली में खाना नंबर 5 में शुक्र या शनि या राहु या तीनों में दो या तीनों स्थित हो तो स्वऋण होता है।

निशानिया :

आपको राजभय, निर्दोष होने पर भी मुकदमें में दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। हृदय रोग, बाजुओं में दर्द, शारीरिक कमजोरी, आंखों में कष्ट, जिगर की खराबी होती है।

घटनाएं :

जातक नास्तिक हो जाता है, धर्म की उपेक्षा करता है स्वास्थ्य अनुकूल नहीं रहता, पूर्वजों के रीति-रिवाज के अनुसार नहीं चलता।

### निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी स्वऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे बराबर-बराबर धन (एक-एक या पांच-पांच या अधिक से अधिक दस-दस रुपये जितने भी रुपये सभी दे सकें) इकट्ठा कर के धर्म स्थान पर सामूहिक यज्ञ करें।

### मातृऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुँडली के चौथे खाने में केतु पड़ा हो तो मातृ ऋण का बोझ होता है।

निशानिया :

जातक का कोई सहायक नहीं होता, उसके सभी प्रयास निष्फल होते हैं। सरकारी दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। जीवन अशांत व्यतीत होता है, दूसरों की इज्जत को उछालना खेलवार करना या जूता चुराना, विद्या का लाभ न मिलना। रिश्तेदारों की बिमारियों पर धन का

अपव्यय आदि अशुभ फल होते हैं।

घटनाएं :

मातृ ऋण से प्रभावित जातक माता से दुर्व्यवहार करता है। माता के सुख-दुःख का ख्याल नहीं रखता। माता से दूर रहे या माता को घर से निकाल देता है। मातृ ऋण वाले जातक के घर के पास या घर में कुआं होगा। घर के पास जलाशय होगा। उस कुएं में गंदगी डाली जाती होगी या जलाशय को गंदा करता होगा। हो सकता है कि जातक के घर के पास नदी-नहर बहती हो। जातक उस में गंदगी डालता होगा।

### निष्कर्ष

आपकी पत्नी मातृऋण से मुक्त है।

### पारिवारिक ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली पहले या आठवें खाने में बुध या केतु या दोनों बैठे हो तो रिश्तेदार का ऋण होता है।

निशानिया :

किसी की भैंस बच्चा देने को हो तो उसे मार देना या मरवा देना। किसी का मकान बनने या नीव खोदते समय जादू-टोना कर देना या रिश्तेदारों से मिलने-जुलने बालों से नफरत करना या बच्चों के जन्म दिन और परिवार में त्यौहार या खुशी के समय दूर रहना।

घटनाएं :

जातक मित्रों से धोखा करता है। किसी के बने-बनाए काम को बिगाड़ देता है या किसी की पकी हुई खेती को आग लगा देना।

### निष्कर्ष

आपकी पत्नी पारिवारिक ऋण से मुक्त है।

### कन्या/बहन का ऋण

ग्रहचाल :

जातक की कुंडली में तीसरे या छठे खाने में चंद्रमा पड़ा हो तो बहन/लड़की का ऋण होता है।

निशानिया :

जवानी में धोखा देना, बहन/बेटी की हत्या या उस पर जुल्म करना। मासुम बच्चों को बेचना या लालच से बदल लेना/देना जिसका भेद दुनिया में कभी न खुले ऐसे रहस्यमय आदि काम करना।

घटनाएं :

जातक का किसी के साथ अपनी जुबान से बुरा शब्द बोलना तलवार से अधिक गहरा घाव कर सकता है, बेटा पैदा हुआ पिता को उसके धन-दौलत, आयु पर अशुभ फल होगा या माता को पता था कि वह जान से हाथ धो बैठेगी। खुशी के साथ मातम ससुराल-ननिहाल पर अशुभ फल, वर्ष भर की कमाई का वर्षात में घाटा हो जाना आदि।

### निष्कर्ष

आपकी पत्नी कन्या बहन के ऋण से मुक्त है।

### पितृऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में 2 या 5 या 9 या 12 खानों में शुक्र या बुध या राहु या तीनों में दो या तीनों ही बैठे हो तो जातक पर पितृ ऋण होता है।

निशानिया :

कुल पुरोहित बदलना या कुल पुरोहित से नाता तोड़ लेना, घर के साथ बने मंदिर को तोड़ देना। पीपल का पेड़ काटना। पीपल का पेड़ होना आदि।

घटनाएं :

परिवार में किसी बुजुर्ग के बाल सफेद हो जाए। बाल सफेद होने के बाद बालों में पीलापन होना शुरू हो जाए, काली खांसी की शिकायत, हो अथवा माथे पर दुनिया की गंदी करतुतो का कलंक लगना आदि घटनाएं होती है।

### निष्कर्ष

आपकी पत्नी पितृऋण से मुक्त है।

### स्त्री ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में सातवें खाने में सूर्य या चंद्रमा या राहु या तीनों में दो या तीनों ही इकट्ठे बैठे हों तो स्त्री ऋण होता है।

निशानिया :

परिवारिक पेट पर लात मारना, स्त्री को बच्चा पैदा होने या बच्चा जनने की हालत में किसी लालच में आकर मार देना। दाँतो वाले जानवरों की पालने से परिवार में नफरत का उसूल चलता होगा। मकान का गेट दरवाजा दक्षिण दिशा में होना, जीव हत्या करना, मकान या मशीनरी धोखे से ले लेना, किसी की चीज हड़प लेना उसे मुंहताज कर देना आदि।

घटनाएं :

नर संतान का फल मंदा हो जाता है, चमडड़ी में कोढ़, फलवहरी, गुप्तांग में रोग हो जाना, किसी का विवाह होना किसी मुर्दे को जलाना। एक स्त्री के साथ वैवाहिक संबंध टूटने लगे दूसरी स्त्री के साथ संबंध जुड़ने लगना अर्थात् दूसरा विवाह होना आदि।

### निष्कर्ष

आपकी पत्नी स्त्री ऋण से मुक्त है।

### निर्दयी ऋण

ग्रहचाल :

जन्मकुंडली में खाना नंबर 10 या 11 में सूर्य या चंद्र या मंगल या तीनों में दो या तीनों ही इकट्ठे बैठे हो तो निर्दयी ऋण होता है।

निशानिया :

मशीन या मकान की पेशगी देकर न खरीदना, परीक्षा हाल से अकारण बाहर निकाला जाना, बड़े लोगों से अकारण झगड़े या मुकदमें लड़ना आदि।

घटनाएं :

संतान और ससुराल की असमय मृत्यु, तेल या नारियल या लकड़ी या बारदाना के गोदाम में आग लग जाना। मकान खरीदा उसमें रहना नसीब नहीं, मकान खरीदे तो उसकी सिद्धियां मुरम्मत करानी पड़े या तोड़ कर दुबारा बनानी पड़े, सांप और जहर पान की घटनाएं, हथियार से मौत होना आदि।

### निष्कर्ष

आपकी पत्नी निर्दयी ऋण से मुक्त है।

### आजन्मकृत ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में खाना नंबर 12 में सूर्य या शुक्र या दोनों इकट्ठे बैठे हो तो आजन्मकृत ऋण होता है।

निशानिया :

बिजली की तार लीक कर जाना, घर जल जाए, लाखों-करोड़ों पति कुछ ही समय में किसी भी तरह से तबाह हो जाये, सोना गुम या चोरी-ठगी-गबन की घटनाएं, सिर पर जख्म या सिर की बीमारियां, बचपन से बुढ़ापे तक नालायक साबित होना, सोच समझ कर काम करने के बावजूद गरीबी और बेसहारा, दमा-मिरगी, काली खांसी, सांस की तकलीफ, अचानक मौत, मकान की दहलीज के नीचे से गंदा पानी बहना अथवा आवासीय मकान के आगे पीछे कूड़े का ढेर या गन्दगी हो।

घटनाएं :

मुकदमें में फैसले पर नहक जुर्माना/कैद, ससुराल या दुनिया वालों की ठगी करना, या ऐसी ठगी करना जिससे दूसरे का परिवार या नौकरी-व्यापार नष्ट हो जाना आदि।

### निष्कर्ष

आपकी पत्नी आजन्मकृत ऋण से मुक्त है।

### ईश्वरीय ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में छठे खाने में चंद्रमा हो तो ईश्वरीय ऋण होता है।

निशानिया :

कुत्ते का काटना, छत से बच्चों का गिरना या बच्चा को गाड़ी के नीचे आ जाना, कानों से बहरापन, रीढ़ की हड्डी में कष्ट, संतान पैदा न होना या होकर मर जाना, संतान सुख में बाधा, पेशाब की बिमारियां अधरंग, ननिहाल नष्ट हो जाना, यात्रा में हानि अथवा दुर्घटना हो जाना आदि।

घटनाएं :

किसी पर इतबार किया उसने धोखा दिया, कुत्तों को मारना या मरवाना, गरीब या फकीर की बददुआ लेना, बदचलनी, किसी के लड़कों को गुमराह करके बरबाद करना या करवाना, बुरी नीयत, लालच में आकर किसी का नुकसान करना आदि।

### निष्कर्ष

आपकी पत्नी ईश्वरीय ऋण से मुक्त है।

# लाल किताब वर्षफल 2026-2027

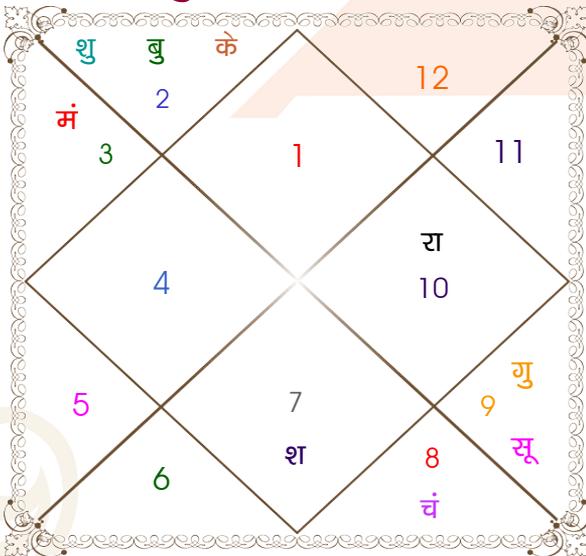
वर्तमान आयु - 59  
वर्तमान दशा - सूर्य

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	--	--	नेक
चंद्र	--	--	--	मन्दा
मंगल	--	--	--	नेक
बुध	--	हाँ	--	मन्दा
गुरु	--	--	--	नेक
शुक्र	--	हाँ	--	नेक
शनि	--	--	--	नेक
राहु	--	--	--	नेक
केतु	--	हाँ	--	मन्दा

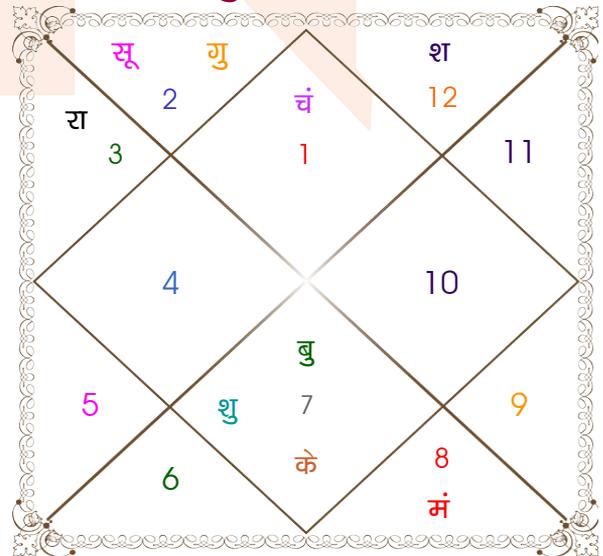
## भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	हाँ	--	--	हाँ	हाँ	--	--	--	--	--	--	--

## वर्ष कुंडली 2026 - 2027



## वर्ष चन्द्र कुंडली 2026 - 2027



## लाल किताब वर्षफल 2026-2027

### सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 9 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष उत्तम वाहन का सुख मिलेगा, तीर्थ यात्रा का लाभ व शुभ फल मिलेगा। समाज और परिवार के लिये आपके मन में त्याग और परोपकार की भावनाएं भी रहेगी, परिवार के व्यक्तियों के पालन का अतिरिक्त भार आप पर हो सकता है। स्वपराक्रम से किस्मत का सितारा और भी बुलंद होगा।

सूर्य की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. बिना मेहनत का माल, दान/गिफ्ट आदि न लें।
2. बहुत नर्म या बहुत गर्म स्वभाव न रखें।

### चंद्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 8 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष माता-पिता का सुख कम मिलेगा। जौहरी-जुएं के कामों में हानि होगी। ननिहाल को कष्ट या उनसे झगड़ा होगा। मन की शक्ति क्षीण, विद्या में रुकावट या माता का सुख मिले, घर से दूर भी रहना पड़ सकता है। सर्दी-जुकाम और पानी से कष्ट का भय, हृदय रोग का भय रहेगा। बुजुर्गों को सांस-दमा रोग की आशंका है।

चंद्र की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. मीठा भोजन या केसर-दाल चना या गुड़-गंदम धर्म स्थान में दें।
2. अमावस्या के दिन दूध-चावल धर्म स्थान में दें।
3. स्वर्गवासी बुजुर्गों के नाम पर श्राद्ध करें।

### मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 3 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष दूसरों की सहायता कर के प्रसन्नता प्राप्त होगी मगर जरूरी नहीं कि दूसरों की सहायता के बदले में आपको सम्मान मिलेगा, आपको कसरत करने या जिम आदि जाने का शौक रहेगा, मुकाबले की विद्या (प्रतियोगी परीक्षा) में आपकी जीत होगी, नर्म स्वभाव रखेंगे तो आपको लाभ मिलेगा। धन-परिवार/संतान का सुख मिलेगा।

मंगल की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. पेट का विशेष ध्यान रखें।

2. हाथी दांत न रखें।

### बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 2 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष पिता से जुदाई या पिता की चिंता रहेगी या पिता की आयु कम हो सकती है। आप पर अकारण लांछन लग सकता है सतर्क रहें, धागे-ताबीज, जल-भभूति आदि के चक्कर में पड़ने पर आपकी तरक्की रुक सकती है, जुआ, शेयर मार्किट आदि में धन हानि का योग है अतः कार्य सोच-विचार कर करें।

बुध की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. 2 किलों मूंग साबित धर्म स्थान में दें।
2. सफेद धागे या चांदी की तार से नाक छेदन बांयी तरफ से करायें।

### गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 9 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष अपने पूर्वजों के द्वारा लाभ होगा, ज्योतिष और गुप्त विद्याओं में रुचि रहेगी। परिवार के लोगों का मान-सम्मान बढ़ेगा। आप दुनिया में अपने परिवार का नाम चमकाएंगे। जौहरी/सर्पाफी के कामों से लाभ हो सकता है। आपकी आदत राजाओं जैसी बनेंगी। प्राण जाये पर वचन न जाये ही आपका धर्म होगा।

गुरु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. किया हुआ वायदा पूरा करें।
2. सोना गिरवी न रखें।

### शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 2 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष अधिक परिश्रम करना पड़ सकता है। जिससे दिन दुगनी रात चौगुनी तरक्की होगी। ईश्वर पर भरोसा रहेगा जिससे आपके सभी काम पूर्ण होंगे। साधू वेश में आशिकाना ख्याल रहेंगे। चरित्र सुधार कर रखेंगे। प्रेम संबंधों में धोखा हो सकता है इसलिये प्रेम संबंध के चक्कर से बचें।

शुक्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. पशुओं पर जुल्म न करें।
2. शेर मुंह मकान में रिहाइश न करें।

## शनि

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं. 7 में शुभ है जिसकी वजह से आप इस वर्ष परोपकार करने से धन लाभ पाएंगे। यह लाभ 7 गुणा तक हो सकता है। मकान बनेगा और बुजुर्गों से जमीन-जायदाद का लाभ मिलेगा। आपको गांव/शहर या किसी संस्था में पद मिल सकता है। पिता/ससुर और पत्नी के लिये समय शुभ रहेगा। चाल-चलन खराब रखने से धन हानि होगी।

शनि की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. डाक्टर/कैमिस्ट का साथ न रखें।
2. चोर-डाकू से संबंध न रखें।
3. बुजुर्गों मकान के मुख्य द्वार की दहलीज ठीक रखें उसके दोनों तरफ सूर्योदय से पहले सरसों का तेल डालें।

## राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 10 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपका हर काम सरहानीय होगा। सरकारी विभाग में नौकरी करते हैं तो उच्च पद मिले या सरकार द्वारा आपको लाभ होगा। आपके सिर के बाल सफेद होने शुरू हो जायें या हो चुके हों तो आपकी तरक्की की निशानी है। आपका चरित्र भी ऊंचा होना शुरू हो जायेगा और मान-सम्मान बढ़ेगा।

राहु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. सिर पर सूर्य की रोशनी न पड़े अर्थात् नंगा सिर न रखें।
2. मौके के अधिकारी से झगड़ा न करें।

## केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 2 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष जुआ-सट्टा आदि के कामों में हानि होगी, आपकी कर्कशवाणी या जबान से निकला अपशब्द आपके मान-सम्मान को हानि पहुंचा सकता है। नौकरी-व्यापार में या जीवन में उतार-चढ़ाव भी आ सकता है। तबदीली हो सकती है मगर तरक्की की शर्त नहीं है। खराब चाल-चलन संतान सुख न देगा।

केतु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

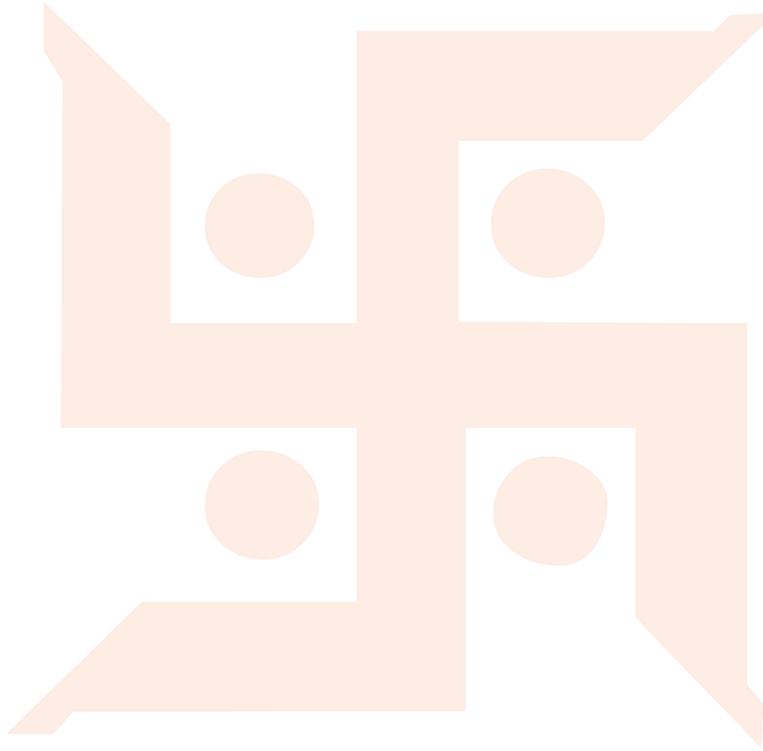
उपाय :

1. कन्याओं (9 वर्ष से छोटी लड़कियों) की सेवा करें।
2. स्त्रियों की सेवा करें।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

- 8 दिन नाश्ते में पनीर खावे या पनीर का बचा शेष पानी पिये।

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरु करें।)



# लाल किताब वर्षफल 2027-2028

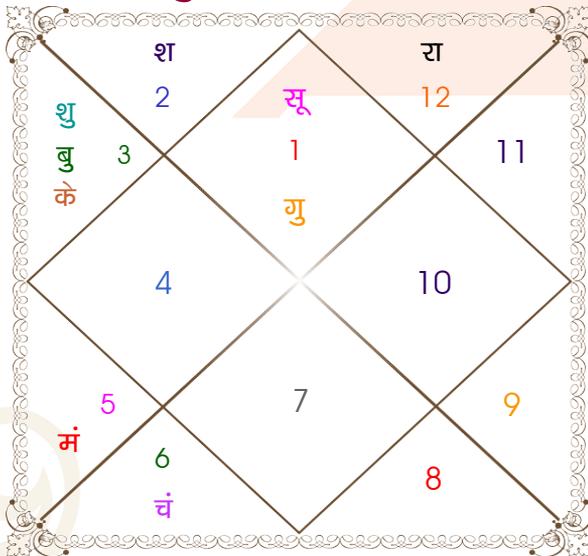
वर्तमान आयु - 60  
वर्तमान दशा - सूर्य

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	हाँ	--	नेक
चंद्र	--	हाँ	--	मन्दा
मंगल	--	हाँ	--	नेक
बुध	--	हाँ	--	मन्दा
गुरु	--	हाँ	--	नेक
शुक्र	--	हाँ	--	नेक
शनि	--	--	--	नेक
राहु	--	--	--	नेक
केतु	--	हाँ	--	मन्दा

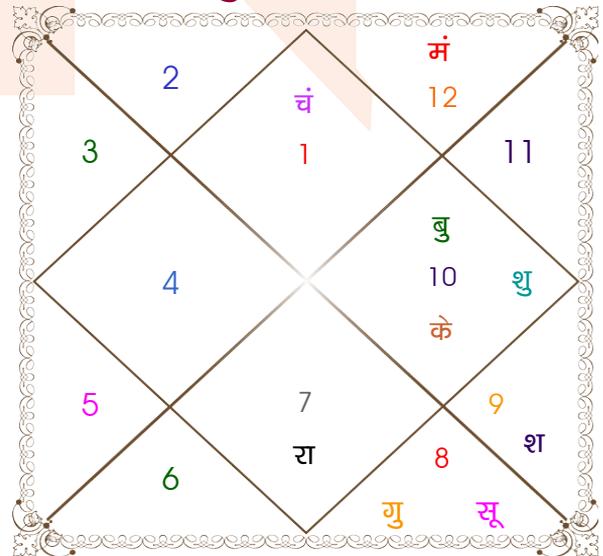
भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	--	--	--	हाँ	--	--	--	हाँ	--	हाँ	--	--

वर्ष कुंडली 2027 - 2028



वर्ष चन्द्र कुंडली 2027 - 2028



## लाल किताब वर्षफल 2027-2028

### सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 1 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपका तेज व प्रताप बढ़ेगा। धार्मिक कार्यों में रूचि रहेगी, परोपकार की भावना रहेगी, आप दृढ़ निश्चयी, नशों से दूर रहेंगे। अधिक मेहनत करके आप अपना भाग्य चमकाएंगे। सरकारी विभाग में रुके काम बनेंगे। सरकारी अधिकारियों से अच्छे संबंध रहेंगे और उनसे लाभ मिलेगा।

सूर्य की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. शराब आदि न पियें, मांस-मछली का भोजन न करें।
2. सूर्योदय से सूर्यास्त तक स्त्री से शारीरिक संबंध न रखें।

### चन्द्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 6 में है जिसकी वजह से इस वर्ष आपकी माता को शरीर कष्ट रहेगा। आप के परिवार को माता की चिंता रहेगी या विद्या संबंधी परेशानी भी आ सकती है। आम जनता के लिये पानी पिलाने का पानी का स्रोत लगाना, आपको और आपकी संतान को कष्ट तथा परेशानी ही देगा। बिना सोचे-समझे किये गये कामों में आपको परेशानी उठानी पड़ सकती है, समझदारी से काम लें।

चंद्र की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. चंद्र ग्रहण के मध्य काल में 4 सूखे नारियल (बजने वाले) जल प्रवाह करें।
2. माता को कष्ट हो तो खरगोश पालें।
3. नाशते में कच्चा पनीर खायें। रात्रि समय (सूर्यास्त से सूर्योदय तक) दूध न पीयें।

### मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 5 में शुभ है। जिसकी वजह से आपको इस वर्ष गृहस्थ/संतान का सुख मिलेगा, परिवार में उन्नति होगी, यात्रा बहुत होगी। इस जन्म दिन के बाद धन दिनों-दिन बढ़ता जाएगा, पिता-दादा की हैसियत भी बढ़ेगी, चाल-चलन आपको उम्दा रखना होगा, शत्रु को भी मित्र बनाने में प्रयत्नशील रहेंगे और शत्रु आपका सहायक बन जाएगा।

मंगल की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. चाल-चलन ठीक रखें, अनैतिक संबंध न रखें।

2. शराब-बीयर न पिये, मांस-मछली का भोजन न करें।

### बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 3 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष बहन-लड़की, साली-बुआ से धन लेकर कोई कार्य किया तो कार्य में हानि हो सकती है। आपके भाग्योदय में रुकावट आ सकती है या आप कर्जदार हो सकते हैं। जबान के रोग होने का भय है। भाई-बहन की चिंता या उनसे झगड़ा करने पर हानि हो सकती है। नाड़ियों चमड़ी रोग का भय रहेगा।

बुध की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. दूर्गा पूजन या कन्याओं (9 वर्ष से छोटी लड़कियों) की सेवा करें।
2. तोता पाले या तोते को चूरी खिलायें।

### गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 1 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष पढ़ने-पढ़ाने में रुचि या विद्या सम्बन्धित कामों से लाभ मिलेगा। आपको मान-सम्मान मिलेगा। पिता, दादा का रुतवा बढ़ेगा और उनका नाम रोशन होगा। नशों से दूर रहेंगे, सबके साथ अच्छा व्यवहार करेंगे। गुरु-साधू की सेवा करेंगे, सरकारी विभाग या शासन द्वारा भी आपको लाभ मिल सकता है।

गुरु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. बिना मेहनत का माल, गिफ्ट या दान न लेवें।
2. किस्मत पर भरोसा रखना शुभ रहेगा।

### शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 3 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष स्त्रियों द्वारा धन लाभ होगा। स्त्री आपके कामों में हाथ बटाएंगी या पत्नी के साथ शुरु किये कामों से लाभ मिलेगा। आप पर कोई न कोई स्त्री मोहित रह सकती है। कम मेहनत से अधिक लाभ मिले ऐसी संभावना है। पत्नी से घर में रहते कभी चोरी नहीं होगी।

शुक्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. बुजुर्गी घर की दहलीज को ठीक रखें।
2. राग-रंग में रुचि न रखें।

## शनि

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं. 2 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष ईश्वर भक्ति में आपका विश्वास बढ़ेगा। पिता/ससुराल से धन-संपत्ति का लाभ होगा। कोयला, चमड़ा, मशीनरी के कामों से लाभ होगा। मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। अक्ल की बारीकी से उलझनों को सुलझा लेंगे। बने बनाये मकान का लाभ मिल सकता है। धन की कमी नहीं रहेगी।

शनि की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. माथे पर सरसों का तेल न लगावें।
2. सांपों को न मारें।

## राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 12 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपका धन शुभ कामों या विवाह आदि पर खर्च हो सकता है। यदि आप पर ऋण का बोझ हो जाये तो वह उतर जायेगा, शत्रु दबे रहेंगे। अध्यात्म विचार आपको शायद ही लाभ देंगे। अपने बलबुते पर सभी कार्य सिद्ध कर लेंगे। रात को सुख की नींद मिलेगी और सुख के साधन बढ़ेंगे।

राहु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. रसोई से बाहर बैठ कर खाना न खावें।
2. घर के आंगन में धुंआ न करें।

## केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 3 में है जिसकी वजह से इस वर्ष दूसरों की सलाह लेना आपके लिये हानिकारक हैं। आवारा घूमना या भाई से दूर प्रदेश में जीवन व्यतीत करना ठीक नहीं, शरीर पर फोड़े-फुंसी की शिकायत भी हो सकती है। किसी के किये पेशाब पर पेशाब करना आप को गुप्तांग में रोग और शरीर कष्ट देगा या संतान सुख की चिंता रहे ऐसा भी संभव है।

केतु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. कानों में शुद्ध सोने की ननतियां पहनें।
2. शरीर पर शुद्ध सोना पहनें।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

- कन्याओं को हलवा/बिस्कुट देकर आशीर्वाद लेवे या मूंग रात को भिगो कर सुबह पक्षियों को डालें।

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरु करें।)

